दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का आज से

गंगरार | वैज्ञानिक तथा तकनीकी पूर्व कुलपति कोटा विश्वविद्यालय शब्दावली आयोग, मानव संसाधन प्रो. एमएल कालरा अधिष्ठाता, विकास मंत्रालय दिल्ली एवं मेवाड पेसिफिक विश्वविद्यालय के तत्वाधान में दो प्रो. एससी आमेटा दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार से विश्वविद्यालय शुरू होगी।

तकनीकी हिन्दी शब्दावली के प्रयोग को लेकर संगोष्ठी हो रही है। अवनीश कुमार, विशिष्ट अतिथि चार सत्र रखे गए हैं।

विश्वविद्यालय व मेवाड वीके वैद्य अतिथि होंगे। संगोष्ठी पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में होगी। संयोजन भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सीएसटीटी दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. गुलजार अहमद करेंगे। संगोष्ठी में

विज्ञान के पाड्यक्रम में हो हिन्दी शब्दों का प्रयोग



र्गामगर। वैद्यानिक तथा तकनीकी शुख्यावली आवारा मानव संमाधन विकास बंधालय, वर्ड रिलमी वर्च संयाह विश्वितकालय के लगायकान से भागोजिल हो दिनसीय संग्रेखें कर समापन होनेकार को हुआ। संग्रेखें के उरमारन सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व कुलाति बीटा विद्यानिकालय, प्री. प्रमाण, कारूरा ने बताया कि विकान विषय को आसंजन में न्यादा से भागा प्रमातित किया जाना चाति है। और यह तभी संध्य है प्रजा हम विवय में हिन्दी बाबा का बार्वांग करें। उन्तरि अनुवा कि अध्यक्तकों की हिन्दी मानी बिजाओं के प्रकाशन पर स्थार देशा चारित विद्यारे बाजों में प्रापंत पति गरिव जागत हो सब्दे। विशिष्ट अतिथि हो, हस भी आगेट ने बसा विद्या प्रमान विश्वता में अमेरजी बारमाय में निवास मामबी अनेशक होते के बात ग निन्दी स्थ्यम के कई बात इस समाना के अपने उच्च निक्रा से क्षित हर जाते हैं। विकास राज सिंह श्रेम्क्रमात ने बैजानिक एवं त्रावनीकी समहास्थात आयोग की नवापना में लेकर अन्य तक किये गए बार्च के कर में प्रत्नकारी. दी । मंबाह विद्याविद्यालय के कुलपीत हों. के के ये ये संस्कृत मांच की महत्त्वमा बनाई। समापन समापेड में औं, तील बीठान, जी, अतिस कमार शोजीय, हो, हन, एल शेहा, हो, हम, एल काकानी, हो, जार, एल विश्वालय इपरिवत ६। अंबेजन चेतिकी विधान के विधानस्थय औ. बुलाकार असमह द्वारा विकास समा

विज्ञान के पाट्यक्रम में हो हिन्दी शब्दों का प्रयोग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय नर्ड दिल्ली एवं मेवाड विश्वविद्यालय के तत्वावधान में संगोष्टी

गंगरार. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय तत्वावधान में आयोजिंत दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व क्लपति कोटा विश्वविद्यालय डॉ. एमएल कालरा ने बताया कि विज्ञान विषय को आमजन में ज्यादा से ज्यादा प्रसारित किया जाना चाहिए और यह तभी संभव है जब हम विषय में हिन्दी भाषा का प्रयोग करे। उन्होंने बताया कि अध्यापकों को हिन्दी भाषी किताबों के प्रकाशन पर च्यान देना चाहिए ताकि छात्रों में इसके प्रति रुचि जागृत हो सके। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठता पेसिफिक विश्वविद्यालय डॉ. एससी आमेटा ने कहा कि उच्च शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम में विषय सामग्री अधिक होने के कारण हिन्दी माध्यम के कई छात्र इस समस्या के चलते उच्च शिक्षा से



गंगरार के मेवाड़ विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर मौजूद लोग व छात्र-छात्राएं।

वचित रह जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि एक अंग्रेजी शब्द के कई मतलब निकलते है जबकि एक हिन्दी शब्द का एक ही मतलब निकलता है।

विश्वविद्यालय के अध्यापकों को सलाह दी और कहा कि विज्ञान के पाठ्यर म में तकनीकी शब्दावली को हिन्दी में समझाया जाए ताकि हिन्दी माध्यम के छात्रों को इसका लाभ मिल सके। सीएस टीटी नई दिल्ली से विजयराज सिंह शेखावत ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की स्थापना से लेकर अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वीके वैद्य ने संस्कृत भाषा की महत्वत्ता बताते हुए कहा कि संस्कृत सभी

भाषाओं की जननी है एवं संस्कृत के शब्दों का प्रयोग तकनीकी शिक्षा में होना चाहिए। दो दिवसीय सेमिनार में कुल चार सत्र हुए। जिनकी अध्यक्षता क्रमशः डॉ. आरके पालीवाल, डॉ. बीएल यादव, डॉ. सीके शर्मा एवं डॉ. जेपीएन ओझा ने की। सेमिनार के समापन समारोह में विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान कोटा विश्वविद्यालय से डॉ. नीलू चौहान, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शाहपुरा से डॉ. अनिल कुमार शोत्रीय, डॉ. एनएल हेड़ा, डॉ. एमएल काकानी, डॉ. आरएल पिथलिया, विश्वविद्यालय प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राए मौजूद थे। सेमिनार का संयोजन भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गुलज़ार अहमद ने किया।

सार सवावार

मेवाड विश्वविद्यालय में दो दिवसीय संगोष्ठी संपन्न

चित्तौड़गढ़ (प्रात:काल संवाददाता)। वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय. नई दिल्ली एवं मेवाड विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी शनिवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपित कोटा विश्वविद्यालय, डॉ. एम.एल. कालरा ने बताया कि विज्ञान विषय को आमंजन में ज्यादा से ज्यादा प्रसारित किया जाना चाहिए और यह तभी संभव है जब हम विषय मे हिन्दी भाषा का प्रयोग करे। उन्होंने बताया कि अध्यापकों को हिन्दी भाषी किताबों के प्रकाशन पर ध्यान देना चाहिए जिससे छात्रों में इसके प्रति रुचि जागृत हो सके। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठता, पेसिफ्कि विश्वविद्यालय, डॉ. एस. सी आमेटा, सी.एस. टी.टी. विजयराज सिंह शेखावत, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपित डॉ. वी.के वैद्य, डॉ. आर. के. पालीवाल, डॉ. बी.एल. यादव, डॉ. सी.के. शर्मा एवं डॉ. जे.पी.एन. ओझा द्वारा विचार व्यक्त किये गये।